संपादक का नोट

प्रभु की स्तुति हो। मसीह में मेरे सभी भाइयों और बहनों को नमस्कार। जैसे ही हम जून के महीने में कदम रखते हैं, मैं प्रार्थना करती हूं और आशा करती हूं कि आप पर ज्यादा मात्रा में आशीष बरसेगा, उनकी महिमा में डूबे रहेंगे, और उनकी दया और कृपा में डूबे रहेंगे।

भजन संहिता 84:10 ''क्योंकि तेरे आँगनों में का एक दिन और कहीं के हजार दिन से उत्तम है। दुष्टों के डेरों में वास करने से अपने परमेश्वर के भवन की डेवढ़ी पर खड़ा रहना ही मुझे अधिक भावता है।''

हम सभी को प्रभु के लिए प्यास और भूख के स्तर को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए जो दाऊद के पास था, और जिस तरह से उसने प्रभु की सेवा की; हमारे प्रभु परमेश्वर उस चीज से प्रसन्न हुए। जब हम प्रार्थना करते हैं, तो हमें कभी भी अपनी इच्छाओं और आशाओं से भरके उनके पास नहीं जाना चाहिए, लेकिन हमें अपने आप को खाली कर देना चाहिए और विनम्रतापूर्वक उनके अनुग्रह के सिंहासन के सामने जाना चाहिए। क्योंकि, परमेश्वर वह सब जानता है जिसकी हमें आवश्यकता है, और उनकी इच्छा और समय के अनुसार, वह हमारी भूख और प्यास को संतुष्ट करेंगे!

यूहन्ना 14:14 ''यदि तुम मुझ से मेरे नाम से कुछ माँगोगे, तो मैं उसे करूँगा।'' हमारे दैनिक जीवन में, जब हम दुखी होते हैं, तो हम प्रभु से अलग प्रार्थना करते हैं, जबकि खुशी के समय में हम प्रभु से अलग तरीके से प्रार्थना करते हैं। मनुष्य के रूप में, हमारी प्रार्थना का स्वरूप हमारी स्थिति के अनुसार बदलता है, लेकिन हमारे प्रभु हमारे सुख और हमारे दुःख में एक समान हैं। इसलिए, जब हम उनकी इच्छा और योजना के अनुसार प्रभु से प्रार्थना करते हैं, तो प्रभु निश्चित रूप से हमें जवाब देंगे, और फिर हम अपने वादों का दावा कर सकते हैं, और समय रहते, प्रभु हमारे सभी दिल की इच्छाओं को पूरा करेंगे! मत्ती 7:7 ''माँगो, तो तुम्हें दिया जाएगा; ढूँढ़ो तो तुम पाओगे; खटखटाओ, तो तुम्हारे लिये खोला जाएगा।''

जैसा कि भविष्यवक्ता यशायाह कहते हैं, यशायाह 44:3 – 4, ''3 क्योंकि मैं प्यासी भूमि पर जल और सूखी भूमि पर धाराएँ बहाऊँगा; मैं तेरे वंश पर अपनी आत्मा और तेरी सन्तान पर अपनी आशीष उण्डेलूँगा। 4 वे उन मजनुओं के समान बढ़ेंगे जो धाराओं के पास घास के बीच में होते हैं।'' शैतान जानता है कि अंत का समय निकट आ रहा है, और वह परमेश्वर के बच्चों को परेशान करने की पूरी कोशिश कर रहा है। यदि हम कमजोर हैं, तो हम तब विफल होंगे जब शैतान के झटके हम पर पड़ेंगे। इसलिए, हमें पहले से अधिक मजबूत होना चाहिए और प्रभु में गहराई से जड़ पकड़ना चाहिए ताकि कोई भी शैतान हमें उखाड़ न सके। यीशु मसीह ने हमें 2000 साल से भी पहले ही आश्वासन दिया है कि ''संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढ़स बाँधो, मैं ने संसार को जीत लिया है।'' यह हमारे लिए परमेश्वर का महान वादा और प्रोत्साहन है, और यह कभी नहीं बदलेगा, यहाँ तक कि समय के अंत तक भी! जब भी आप जीवन में किसी कठिन परिस्थिति का सामना करें, तो बाइबिल की ओर देखें, क्योंकि हर समस्या का समाधान आपको बाइबिल में ही मिलेगा। बाइबिल के अद्भुत वचन हमारे जीवन को तभी समृद्ध, आशीषित

और ज्योतिमान करेंगे जब हम जीवन के जीवित वचन अर्थात पवित्र बाइबिल में समय व्यतीत करेंगे, पढ़ेंगे और उस पर मनन करेंगे।

इसलिए परमेश्वर के प्यारे बच्चों, परमेश्वर के वचन को हल्के में न लें, परमेश्वर को अपने जीवन में पहली प्राथमिकता दें और यीशु के लिए हमेशा प्यासे और भूखे रहें। तब प्रभु आपके बीज पर अपनी पवित्र आत्मा डालेंगे, आपके बच्चों को आशीर्वाद देंगे, और वे फूलेंगे और खिलेंगे, जैसे कि नदी के किनारे बोए गए पौधे, और हम अपने जीवन में जो कुछ भी करेंगे उसमें सफल होंगे।

जब तक हम फिर से मिलें तब तक;

मसीह में आपकी बहन,

पास्टर सरोजा म।

प्रभु की प्रतीक्षा करें और उकाब की तरह ऊंची उड़ान भरे।

यशायाह 41: 16 ''तू उनको फटकेगा, और पवन उन्हें उड़ा ले जाएगी, और आँधी उन्हें तितरदृबितर कर देगी। परन्तु तू यहोवा के कारण मगन होगा, और इस्राएल के पवित्र के कारण बड़ाई मारेगा।'' यहाँ इस पवित्र शास्त्र में लिखा है कि, परमेश्वर उन लोगों से कैसे निपटेंगे जो उनके बच्चों के खिलाफ आते हैं। आइए हम पढ़ते है वचन यशायाह 41: 15–16 ''15 देख, मैं ने तुझे छुरीवाले दाँवने का एक नया और चोखा यन्त्र ठहराया है; तू पहाड़ों को दाँव दाँवकर सूक्ष्म धूल कर देगा, और पहाड़ियों को तू भूसे के समान कर देगा। 16 तू उनको फटकेगा, और पवन उन्हें उड़ा ले जाएगी, और आँधी उन्हें तितरदृबितर कर देगी। परन्तु तू यहोवा के कारण मगन होगा, और इस्राएल के पवित्र के कारण बड़ाई मारेगा।'' दाऊद यहोवा से अपने शत्रुओं के खिलाफ प्रार्थना करता है कि भजन संहिता 83: 13 ''हे मेरे परमेश्वर, इनको बवन्डर की धूलि, या पवन से उड़ाए हुए भूसे के समान कर दे।'' दाऊद ने प्रार्थना की ''हे मेरे परमेश्वर मेरे दुश्मनों को धूल और भूसा बना दे।'' इस प्रकार, जब बवन्डर आएगा तो उन्हें उड़ा दिया जाएगा''। हमारा दुश्मन कौन है? हमारा दुश्मन शैतान है। अलग–अलग तरीकों से शत्रु, प्रभु के सेवकों, उनके लोगों या उनके अनुयायियों के बीच झगड़े को लेकर आता हैं। लेकिन उनके बच्चों के लिए प्रभु का वादा है कि ''शैतान तेरे पैरों तले कुचला जाएगा।'' प्रभु ने सिंह के बारे में दो उदाहरण दिए हैं। जहाँ दाऊद ने सिंह को मार डाला था, और शिमशोन ने सिंह को फाड़ डाला था। लेकिन आपके और मेरे लिए प्रभु का वादा यह है की भजन संहिता 91: 13 ''तू सिंह और नाग को कुचलेगा, तू जवान सिंह और अजगर को लताड़ेगा।'' हम अपने दुश्मन को अपने पैरों तले रौंद देंगे। स्वर्ग से भेजा जाने वाला बवंडर दो तरह से प्रभु के बच्चों के लिए काम करेगा, सबसे पहले यह प्रभु के बच्चों को सिय्योन तक उठाएगा। जैसे एलिय्याह को बवंडर में ले जाया गया था। लेकिन दुश्मन को नष्ट करना दूसरा उद्देश्य है। आइए हम दाऊद की प्रार्थना को फिर से पढ़ें भजन संहिता 83: 13 ''हे मेरे परमेश्वर, इनको बवन्डर की धूलि, या पवन से उड़ाए हुए भूसे के समान कर दे।'' दाऊद के कई दुश्मन थे, उसे अपनी जीत हासिल करने के लिए सभी से लड़ना पड़ता था। आज भी, हमारे प्रभु अपरिवर्तित हैं, अगर हम उनके भयभीत प्रियजन बने रहेंगे तो वह हमें सिय्योन तक ले जाने के लिए बवंडर भेजते रहेंगे। बुद्धिमान सुलैमान ने कहा है नीतिवचन 10: 25 ''बवण्डर निकल जाते ही दुष्ट जन लोप हो जाता है, परन्तु धर्मी सदा लों स्थिर है।'' जिस प्रकार बवंडर बड़ी तेजी के साथ चलता है और कुछ ही समय में हमारे शत्रु को नष्ट कर देता है, लेकिन धर्मी दृढ़ रहेगा और सिंह की तरह ही इस बवंडर में स्थिर रहेगा। हमें अपने परमेश्वर पर गर्व करना चाहिए जिसने अपना जीवन आपके और मेरे लिए दिया है।

आइए हम पढ़ते हैं नहूम 1: 3 ''यहोवा विलम्ब से क्रोध करनेवाला और बड़ा शक्तिमान है; वह दोषी को किसी प्रकार निर्दोष न ठहराएगा। यहोवा बवण्डर और आँधी में होकर चलता है, और बादल उसके पाँवों

की धूल हैं।'' बादल और यह पृथ्वी प्रभु के सामने धूल है। लेकिन हमारा प्रभु शक्तिशाली और दृढ़ है, वह हमेशा हमारे ऊपर देख रहे है, और हमारे कार्यों के अनुसार हमें आशीर्वाद देंगे। हमारे प्रभु का संकेत हवा का रास्ता है यानी बवंडर। जब हवा तेजी से चलती है, तो वह अपने साथ कुछ भी और सब कुछ ले जा सकती है। ऐसा पवित्र शास्त्र में एक महिला का जीवन था, आइए हम पढ़ें यशायाह 54: 11 ''हे दुःखियारी, तू जो आँधी की सताई है और जिस को शान्ति नहीं मिली, सुन, मैं तेरे पत्थरों की पच्चीकारी करके बैठाऊँगा, और तेरी नींव नीलमणि से डालूँगा।'' तेज हवा के झोंके के साथ, उस महिला ने अपनी शांति खो दी थी, प्रभु कहते हैं ''जिस पर यह बवंडर चलेगा वे नष्ट हो जाएंगे''। हमारा प्रभु हमें मारते है और वह ही चंगा करने की दवा डालते है। हम शास्त्र में अय्यूब की कहानी को जानते हैं, कि किस तरह बवंडर में उसके परिवार का विनाश हुआ। आइए पढ़ते हैं अय्यूब 1: 19 ''कि जंगल की ओर से बड़ी प्रचण्ड वायु चली, और घर के चारों कोनों को ऐसा झोंका मारा कि वह जवानों पर गिर पड़ा और वे मर गए; और मैं ही अकेला बचकर तुझे समाचार देने को आया हूँ।'' अय्यूब के परिवार में बवंडर घुस गया, उन्हें इतनी बुरी तरह मारा कि इससे उसके सभी 10 बच्चे मारे गए और घर भी ढह गया और नष्ट हो गया। उसका नौकर अकेला जीवित था, वह इस शोकपूर्ण घटना अय्यूब को सूचित करने के लिए भाग के आता है। बवंडर के माध्यम से, प्रभु परमेश्वर ने अय्यूब से बात की, आइए हम पढ़ें अय्यूब 38: 1 ''तब यहोवा ने अय्यूब को आँधी में से यूँ उत्तर दिया,'' इस प्रकार, एक बार फिर से परमेश्वर ने अय्यूब को दो गुना आशीर्वाद दिया और उसे एक बार फिर से समृद्ध किया। हमारा प्रभु एक दिलासा देनेवाला, शान्ति का राजा है। जब परमेश्वर हमें मारते है तो हमें नष्ट करने के लिए नहीं बल्कि हमें उससे कुछ अच्छा सिखाना चाहते है। हमें इस सच्चाई को पहचानना चाहिए। आज भी, शत्रु हमारे जीवन में सभी प्रकार के परीक्षणों को लाता है ताकि हम प्रभु को शाप दें और उसके खिलाफ गुरगुरावट करे। लेकिन याद रखें, प्रभु हमारे जीवन में केवल अच्छा ही करते हैं, वह हमें कभी नष्ट नहीं करेंगे। जिस प्रभु ने दाऊद को सिंह को मारने का अधिकार दिया और शिमशोन को उसे फाड़ने का अधिकार दिया और हमारे लिए प्रभु ने हमें शत्रु को हमारे पैरों के नीचे कुचलने का अधिकार दिया। उसी प्रभु ने दानिय्येल को सिंह का मुंह बंद करने का अधिकार दिया। हाँ, परमेश्वर अलग–अलग लोगों को अलग–अलग आज्ञा देते है ताकि हम उनकी आज्ञा मान सकें। उन्होंने उनके चुने हुए लोगों से भी वादा किया है चलो पढ़े मत्ती 16:19 ''मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुंजियाँ दूँगा : और जो कुछ तू पृथ्वी पर बाँधेगा, वह स्वर्ग में बंधेगा; और जो कुछ तू पृथ्वी पर खोलेगा, वह स्वर्ग में खुलेगा।'' दानिय्येल ने सिंह के मुंह को तब बंद किया जब उसे मांद में रखा गया था। हममें से हरेक को उस अधिकार को पहचानना चाहिए जिसे परमेश्वर ने हम में से प्रत्येक को दिया है। मत्ती 18: 18 कहता है ''मैं तुम से सच कहता हूँ, जो कुछ तुम पृथ्वी पर बाँधोगे, वह स्वर्ग में बंधेगा और जो कुछ तुम पृथ्वी पर खोलोगे, वह स्वर्ग में खुलेगा।'' इसलिए, जब स्वर्गीय भँवर हम पर चलती है यानी पवित्र आत्मा, तो यह हमें समृद्ध करेगा। लेकिन जब यह हमारे दुश्मनों पर चलेगा तो यह उन्हें नष्ट कर देगा।

इसलिए जब यह पवित्र आत्मा स्वर्ग से मृत सभा या मृत मण्डली पर चलती है, तो सूखी हुई हड्डियाँ एक बार फिर से जीवन पाती हैं और प्रभु के लिए एक विशाल सेना बन जाती हैं। यहेजकेल 37: 9–10 ''9 तब उसने मुझ से कहा, "हे मनुष्य के सन्तान, साँस से भविष्यद्वाणी कर, और साँस से भविष्यद्वाणी करके कह, हे साँस परमेश्वर यहोवा यों कहता है : चारों दिशाओं से आकर इन घात किए हुओं में समा जा कि ये जी उठें।'' 10 उसकी इस आज्ञा के अनुसार मैं ने भविष्यद्वाणी की, तब साँस उन में आ गई, और वे जीकर अपने अपने पाँवों के बल खड़े हो गए; और एक बहुत बड़ी सेना हो गई।'' जब पवित्र आत्मा एक

सूखे उपदेशक, पास्टर या सभा पर चलती है, तो वे सभी उन पर पवित्र आत्मा की साँस के साथ जीवित हो जाते हैं। परमेश्वर ने इस बवंडर को बनाया है, आइए हम पढ़ते हैं भजन संहिता 135: 7 ''वह पृथ्वी की छोर से कुहरे उठाता है, और वर्षा के लिये बिजली बनाता है, और पवन को अपने भण्डार में से निकालता है।'' प्रभु परमेश्वर ऊपर अपने भण्डार से इस बवंडर को भेजते हैं। ताकि उनके लोग बच जाएं और शत्रु का नाश हो जाए। जिस कारण से प्रभु बवंडर को भेजते हैं, वह इस धरती पर अपना उद्देश्य पूरा करता है भजन संहिता 148: 8 ''हे अग्नि और ओलो, हे हिम और कुहरे, हे उसका वचन माननेवाली प्रचण्ड बयार!'' आग, और ओले; बर्फ, और वाष्प; तूफानी हवा उसके वचन को पूरा करती है। यह समझना हमारे लिए जरूरी है, जिस तरह यीशु को बवंडर में उठाया गया था, उसी तरह वह दूसरी बार अपने लोगों को साथ लेने के लिए वापस आएंगे। यह वही बवंडर था जिसे परमेश्वर के भंडार घर से भेजा गया था। हम जानते हैं कि जब यह बवंडर हमें लेने के लिए आता है, अगर दो खेतों में हैं तो एक को ले लिया जाएगा और दूसरा छोड़ दिया जाएगा। यदि दो सो रहे हैं, तो एक को उठा लिया जाएगा और दूसरा छोड़ दिया जाएगा। इस प्रकार, हर उद्देश्य के लिए बवंडर को भेजा जाता है, जो प्रभु का पालन करता है भजन संहिता 147: 18 ''वह आज्ञा देकर उन्हें गलाता है; वह वायु बहाता है, तब जल बहने लगता है।'' इस प्रकार, 'बवंडर' प्रभु परमेश्वर का एक महत्वपूर्ण संकेत है, बवंडर इस पृथ्वी में प्रभु की आज्ञा को पूरा करता है।

इसलिए हमें अपने लिए प्रभु के प्यार को समझना चाहिए। हम जानते हैं कि योना के लिए परमेश्वर की आज्ञा क्या थी, प्रभु ने उसे नीनवा जाने की आज्ञा दी, लेकिन योना ने तर्शीश जाने के लिए एक जहाज में चढ़ गया। प्रभु ने समुद्र में तेज हवाएं भेजीं, तूफान ने समुद्र के पानी को हिला दिया। लोगों ने अपना सामान समुद्र में फेंकना शुरू कर दिया, लेकिन तूफान नहीं रुका। अंत में योना ने लोगों से कहा कि वह उसे समुद्र में फेंक दे, तुरंत लोगों ने वही किया, आइए हम पढ़ें योना 1: 1–5 ''1 यहोवा का यह वचन अमित्तै के पुत्र योना के पास पहुँचा : 2 "उठकर उस बड़े नगर नीनवे को जा, और उसके विरुद्ध प्रचार कर; क्योंकि उसकी बुराई मेरी दृष्टि में बढ़ गई है।" 3 परन्तु योना यहोवा के सम्मुख से तर्शीश को भाग जाने के लिये उठा, और याफा नगर को जाकर तर्शीश जानेवाला एक जहाज पाया; और भाड़ा देकर उस पर चढ़ गया कि उनके साथ यहोवा के सम्मुख से तर्शीश को चला जाए। 4 तब यहोवा ने समुद्र में एक प्रचण्ड आँधी चलाई, और समुद्र में बड़ी आँधी उठी, यहाँ तक कि जहाज टूटने पर था। 5 तब मल्लाह लोग डरकर अपने अपने देवता की दोहाई देने लगे; और जहाज में जो व्यापार की सामग्री थी उसे समुद्र में फेंकने लगे कि जहाज हल्का हो जाए। परन्तु योना जहाज के निचले भाग में उतरकर सो गया था, और गहरी नींद में पड़ा हुआ था।'' वचन योना 1: 12 में योना कहता हैं ''12 उसने उनसे कहा, "मुझे उठाकर समुद्र में फेंक दो; तब समुद्र शान्त पड़ जाएगा; क्योंकि मैं जानता हूँ, कि यह भारी आँधी तुम्हारे ऊपर मेरे ही कारण आई है।'' वचन योना 1: 15 कहता हैं ''15 तब उन्होंने योना को उठाकर समुद्र में फेंक दिया; और समुद्र की भयानक लहरें थम गईं।'' जैसे ही योना समुद्र में फेंका गया, समुद्र तुरंत शांत हो गया और थम गया। हमारा प्रभु विश्वासयोग्य, दयालु और कृपालु है। उन्होंने हमें इस दुनिया में महान अधिकार दिया है और हमें पता होना चाहिए कि हमारा बुलावा क्या है और हमें कैसे उसका पालन करने की आवश्यकता है। कई बार प्रभु ने हमें आग और हवा के माध्यम से एक सबक सिखाया है, आइए हम पढ़ें 1 कुरिन्थियों 3: 12–14 ''12 यदि कोई इस नींव पर सोना या चाँदी या बहुमूल्य पत्थर या काठ या घास या फूस का रद्दा रखे, 13 तो हर एक का काम प्रगट हो जाएगा; क्योंकि वह दिन उसे बताएगा, इसलिये कि आग के साथ प्रगट होगा और वह आग हर एक का काम परखेगी कि कैसा है। 14 जिसका

काम उस पर बना हुआ स्थिर रहेगा, वह मजदूरी पाएगा।'' हम अपनी नींव सोना, चाँदी, काँच, अन्य गहनों से बना सकते हैं, लेकिन हमारा परमेश्वर आग और हवा से इसका निरीक्षण करने वाले है। हम में से प्रत्येक अपने स्वयं के कार्यों का फल खाएंगे। इसलिए, याद रखें कि जब प्रभु हमारे जीवन में परीक्षण और क्लेश लाते है, तो हमें कभी भी गुरगुरावट नहीं करना चाहिए, या प्रभु के खिलाफ कभी क्रोध नहीं करना चाहिए, ऐसा न हो कि जब यीशु आएगा तो हम बवंडर से दूर उड़ जाएंगे। शुरू के समय से, पवित्र शास्त्रों में कई ऐसे लोग देखे गए हैं जिन्होंने प्रभु के खिलाफ क्रोध किया है। मूसा ने 12 लोगों को उस वादे किए गए जगह पर भेजा था ताकि प्रभु ने उनके लिए तैयार भूमि की जांच कर सकें। लेकिन 10 आदमी लौट आए, जगह के बारे में बड़बड़ाते हुए, उन्होंने कहा कि वह जगह बहुत खराब है और उस तक पहुंचना बहुत मुश्किल है। केवल 2 लोग थे जो इस स्थान के बारे में अच्छा समाचार लाए थे, हम इस स्थान को सिर्फ प्रभु की कृपा से जीत सकते हैं। आज भी, हममें से बहुत कम लोग हैं जो प्रभु को धन्यवाद देते हैं और सोचते हैं कि सभ प्रभु करते है, वह इसे केवल हमारे अच्छे के लिए एक महान योजना के साथ करते है। बाकी हम उन 10 आदमियों की तरह हैं जो बड़बड़ाते हुए लौटे और जगह के बारे में तुच्छ बातें कही थी। प्रभु ने हमें अपने पैरों के नीचे शत्रु को रौंदकर उस पर विजय पाने का अधिकार दिया है। इस प्रकार हमें शत्रु से लड़ना चाहिए, उसे फाड़ना चाहिए और बांधना चाहिए। हमारा काम बस यही है की हमें तैयार रहना है और उस बवंडर के लिए तैयार रहना है जो हमें अपने साथ ऊपर उठाके ले जाएगा। आइए हम पढ़ें 1 कुरिन्थियों 3: 15 ''यदि किसी का काम जल जाएगा, तो वह हानि उठाएगा; पर वह आप बच जाएगा परन्तु जलते–जलते।'' हमें इस दुनिया में किसी भी आदमी से हमारा इनाम कभी नहीं मिलेगा, बल्कि हमें यह हमारे प्रभु से ही मिलेगा। प्रभु हमारा कोने का पत्थर और नींव होना चाहिए, इसलिए भले ही हमारे जीवन में तूफान आ जाए, हम बिखर नहीं जाएंगे, बल्कि हम मजबूत हो जाएंगे। हमें 'प्रभु के वचन' के अनुसार चलना चाहिए जो हम सुनते हैं। हम जानते हैं कि जब यीशु नाव से यात्रा कर रहे थे, तो समुद्र में तूफान भेजा गया था। लोग घबरा गए और चिल्लाने लगे। यीशु के नाव में होने के बावजूद, शिष्यों ने चिल्लाना और शोर मचाना शुरू कर दिया। इस प्रकार, यीशु जाग उठे, उसने समुद्र को शांत किया और अपने शिष्यों से कहा ''हे अल्पविश्वासियों, मेरे कामों को देखकर तुम्हें विश्वास नहीं हुआ'' चलो हम पढ़ते हैं मरकुस 4: 37–38 में ''37 तब बड़ी आँधी आई, और लहरें नाव पर यहाँ तक लगीं कि वह पानी से भरी जाती थी। 38 पर वह आप पिछले भाग में गद्दी पर सो रहा था। तब उन्होंने उसे जगाकर उससे कहा, ''हे गुरु, क्या तुझे चिन्ता नहीं कि हम नष्ट हुए जाते हैं?'' आइए पढ़ें यशायाह 49: 14–16 ''14 परन्तु सिय्योन ने कहा, "यहोवा ने मुझे त्याग दिया है, मेरा प्रभु मुझे भूल गया है।" 15 "क्या यह हो सकता है कि कोई माता अपने दूधपीते बच्चे को भूल जाए और अपने जन्माए हुए लड़के पर दया न करे? हाँ, वह तो भूल सकती है, परन्तु मैं तुझे नहीं भूल सकता। 16 देख, मैं ने तेरा चित्र अपनी हथेलियों पर खोदकर बनाया है; तेरी शहरपनाह सदैव मेरी दृष्टि के सामने बनी रहती है।'' महिला ने भी यही कहा ''आपने मुझे क्यों छोड़ दिया, आपने मेरे हाथों को क्यों छोड़ दिया? लेकिन वास्तव में प्रभु यीशु ने उसके हाथ नहीं छोड़े थे। हमें याद है कि हमें बचाने के लिए यीशु ने अपने हाथों पर सभी किलो को ले लिया और शैतान से लड़ते हुए कहा, ''मैं अपने एक बच्चे को भी शैतान के हाथों में नहीं जाने दूंगा, वे सभी मेरे हाथों में रहेंगे।'' इस प्रकार यीशु ने अपने हाथों से किलो को ले लिया और क्रूस पर हमारे खातिर सब कुछ सहा। हालाँकि हमारी अपनी माँ हमें भूल जाएगी, लेकिन यीशु हमें कभी नहीं भूलेंगे और न ही हमें त्यागेंगे। चाहे हम जहाँ भी रहे सबसे ऊँचे पहाड़ या सबसे गहरे समुद्र पर, यीशु उनकी नजरें हम पर टिकायेंगे और हमारी रक्षा करेंगे। हालाँकि चाहे जितना शत्रु हमारे

परिवार, बच्चों और हमारे आस–पास के लोगों के बीच दुश्मनी और परीक्षणों को लाने की कोशिश करता रहे, याद रखें कि हम प्रभु के हाथों में हैं। हमारे परीक्षण और क्लेश और शत्रु के साथ लड़ाई केवल कुछ दिनों तक चलेगी। हालाँकि शत्रु नाश करने और मारने के लिए आया है, लेकिन अगर हम प्रभु के हाथों में हैं तो हम बच जाएंगे। शत्रु हमेशा परिवार में सबसे कमजोर जन पर वार करता है ताकि हमें लज्जित कर सकें। लेकिन, हमारे लिए प्रभु का वादा यह है कि ''तुम्हारी अपनी माँ तुमको छोड़ सकती है, लेकिन मैं तुमको कभी नहीं छोडूंगा और न ही तुमको भूलूंगा। डरो मत, कोई तुम्हें मेरे हाथों से नहीं छीन सकता''। आइए देखें कि याकूब ने क्या कहा, आइए हम पढ़ें यशायाह 40: 27 ''हे याकूब, तू क्यों कहता है, हे इस्राएल, तू क्यों बोलता है, ''मेरा मार्ग यहोवा से छिपा हुआ है, मेरा परमेश्वर मेरे न्याय की कुछ चिन्ता नहीं करता?'' कई लोगों ने प्रभु परमेश्वर के खिलाफ गुरगुरावट की, लेकिन कोई भी प्रभु से जीत नहीं सका। लेकिन परमेश्वर ने याकूब को जवाब दिया वचन 28– 31 ''28 क्या तुम नहीं जानते? क्या तुमने नहीं सुना? यहोवा जो सनातन परमेश्वर और पृथ्वी भर का सिरजनहार है, वह न थकता, न श्रमित होता है, उसकी बुद्धि अगम है। 29 वह थके हुए को बल देता है और शक्तिहीन को बहुत सामर्थ देता है। 30 तरुण तो थकते और श्रमित हो जाते हैं, और जवान ठोकर खाकर गिरते हैं; 31 परन्तु जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करते जाएँगे, वे उकाबों के समान उड़ेंगे, वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे।'' हमारे प्रभु परमेश्वर के विचारों को कोई नहीं जानता है, जो लोग उनकी प्रतीक्षा करते हैं, वे उकाब के रूप में अपनी ताकत का नवीकरण करेंगे। यह उनके बच्चों के लिए प्रभु का प्यार है। इस प्रकार, जब भी हमें अपने जीवन में परीक्षणों और क्लेशों का सामना करना पड़ता है, तो हमें प्रभु के सामने विनम्र रहना चाहिए और उनका भय मानना चाहिए, हमें कभी भी उनके खिलाफ गुरगुरावट नहीं करना चाहिए। हमें याद रखना चाहिए, प्रभु अपने बच्चों को कभी नहीं छोड़ेंगे। प्रभु सभाओं में जीवन देने के लिए आए हैं, सूखे हड्डियों को पवित्र आत्मा के साथ भर दिया गया था और इस तरह वे जीवित हो गए और मजबूत हुए। प्रभु हमारे सभा में जीवन देने के लिए आए हैं। इस प्रकार जब प्रभु हम पर बवंडर बहाएंगे हैं, तो हम सिय्योन तक उड़ेंगे। इसलिए, हमें हमेशा विनम्र रहना चाहिए और प्रभु का भय मानना चाहिए। इस प्रकार, हमें उस अधिकार के अनुसार प्रदर्शन करना चाहिए जिसे परमेश्वर ने हम में से प्रत्येक को दिया है, जिन्हें हमें मारने की आवश्यकता है उन्हें मारना चाहिए, जिन्हें फाड़ने की आवश्यकता है उन्हें फाड़ना चाहिए, जिन्हें रौंदने की आवश्यकता है उन्हें रौंदना चाहिए, जो कुछ भी हम करेंगे उसे हमें बिना किसी हिचकिचाहट के करना चाहिए। प्रभु जो भी हमारे जीवन में करते हैं हमारे अपने भलाई के लिए ही करते है। प्रभु को केवल हमारी आज्ञाकारिता चाहिए और हम उनका भय माने यही वह चाहते है।

प्रभु इस संदेश को आशीष दे!

पास्टर सरोजा म।